



Vijay shing



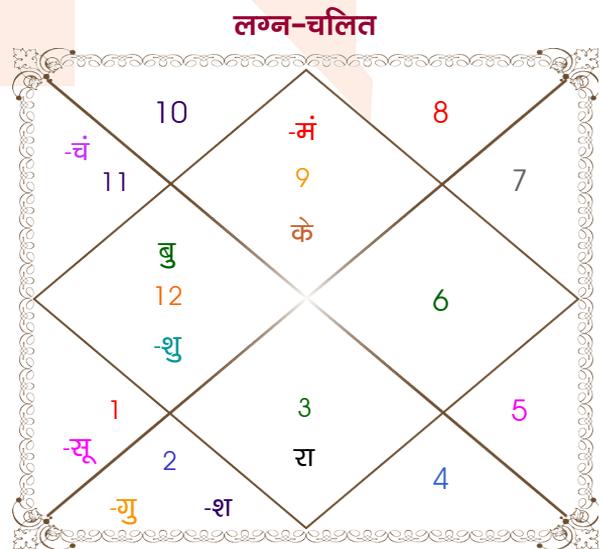
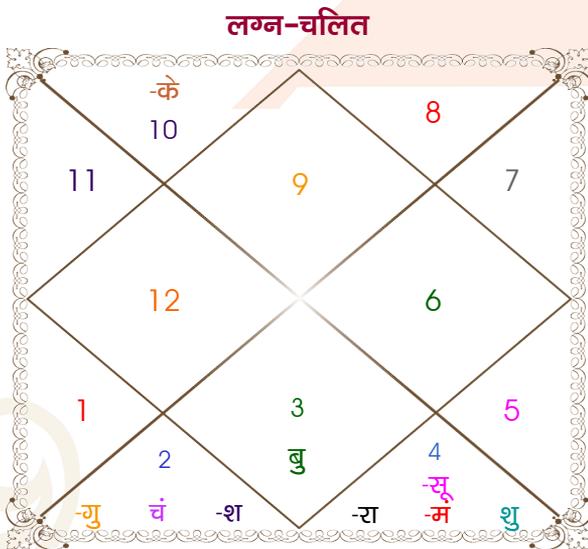
Sanjana kvar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120950203

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 27/07/2000 : _____ जन्म तिथि _____ : 18-19/04/2001
 गुरुवार : _____ दिन _____ : बुध-गुरुवार
 घंटे 18:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 01:00:00 घंटे
 घटी 31:22:12 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 47:09:19 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jaitaran : _____ स्थान _____ : Ajmer
 26:14:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:29:00 उत्तर
 74:00:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 74:40:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:34:00 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:31:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:57:07 : _____ सूर्योदय _____ : 06:05:21
 19:23:59 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:56:29
 23:51:39 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:52:13

विंशोत्तरी चन्द्र 1वर्ष 8मा 0दि राहु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 14वर्ष 4मा 10दि गुरु	
		27:35:37	धनु	लग्न	धनु	27:04:22		
		10:55:37	कर्क	सूर्य	मेष	04:56:43		
		21:06:30	वृष	चंद्र	कुंभ	09:21:43		
		03:12:36	कर्क	मंगल	धनु	02:16:05		
		21:13:54	मिथु	बुध	मीन	29:50:42	गुरु	16/10/2017
राहु	10/12/2011	11:20:32	वृष	गुरु	वृष	17:05:59	शनि	29/04/2020
गुरु	04/05/2014	23:36:27	कर्क	शुक्र व	मीन	07:37:26	बुध	04/08/2022
शनि	10/03/2017	05:13:49	वृष	शनि	वृष	05:52:53	केतु	11/07/2023
बुध	28/09/2019	00:44:49	कर्क	राहु व	मिथु	15:25:00	शुक्र	11/03/2026
केतु	15/10/2020	00:44:49	मक	केतु व	धनु	15:25:00	सूर्य	29/12/2026
शुक्र	16/10/2023	25:33:45	मक व	हर्ष	कुंभ	00:17:49	चन्द्र	29/04/2028
सूर्य	09/09/2024	11:19:44	मक व	नेप	मक	14:46:21	मंगल	04/04/2029
चन्द्र	11/03/2026	16:26:54	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:08:22	राहु	29/08/2031
मंगल	29/03/2027							



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

टपरंलीपदह का वर्ग मृग है तथाँदरंदं अंत का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपरंलीपदह औरँदरंदं अंत का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपरंलीपदह मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टपरंलीपदह कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु टपरंलीपदह कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ँदरंदं अंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि द्वादश अंत कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपरंलीपदह कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपरंलीपदह तथा द्वादश अंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।